अंतर्राष्ट्रीय बायोस्फीयर रिज़र्व दिवस, 2023

प्रिलिम्स के लिये:

बायोस्फीयर रिज़र्व, विश्व बायोस्फीयर रिज़र्व दिवस, मैन एंड द बायोस्फीयर (MAB) प्रोग्राम

मेन्स के लिये:

बायोस्फीयर रिज़र्व मुख्य क्षेत्र, कार्य

स्रोत: द हिंदू

चर्चा में क्यों?

अंतर्राष्ट्रीय बायोस्फीयर रिज़र्व दिवस की दूसरी वर्षगाँठ, **3 नवंबर** को मनाई जाती है, जो हमारे पर्यावरण की सुरक्षा एवं स्थिरता को बढ़ावा देने में बायोस्फीयर रिज़र्व **(BR)** के प्रमुख बिंदुओं पर प्रकाश डालती है।

- इस संदर्भ में संयुक्त राष्ट्र शैक्षिक, वैज्ञानिक एवं सांस्कृतिक संगठन' **(United Nations Educational, Scientific and Cultural Organization- UNESCO)** ने **पर्यावरण, वन एवं जलवायु परिवर्तन मंत्रालय** और **राष्ट्रीय सतत् तटीय प्रबंधन केंद्र** के साथ साझेदारी में भारत के चेन्नई में 10वीं **साउथ एंड सेंट्रल एशियन बायोस्फीयर रिज़र्व नेटवर्क मीटिंग (SACAM)** का समापन किया।
    - **"रिज टू रीफ" (Ridge to Reef)** थीम वाले SACAM कार्यक्रम ने दक्षिण तथा मध्य एशिया में सतत् पर्यावरण प्रथाओं के सहयोग पर सहमति प्राप्त की।

विश्व बायोस्फीयर रिज़र्व दिवस:

- यह दिवस **जैवविविधता के संरक्षण** एवं सतत् विकास को बढ़ावा देने में बायोस्फीयर रिज़र्व की भूमिका के महत्त्व को दर्शाता है।
- यूनेस्को द्वारा वर्ष 2022 में स्थापित यह दिवस प्रतिवर्ष 3 नवंबर को मनाया जाएगा।
- इसका उद्देश्य जागरूकता बढ़ाना, सर्वोत्तम प्रथाओं को साझा करना तथा **वर्ल्ड नेटवर्क ऑफ बायोस्फीयर रिज़र्व (WNBR)** की उपलब्धियों को प्रदर्शित करना है।

बायोस्फीयर रिज़र्व:

- **परिचय:**
    - बायोस्फीयर रिज़र्व 'सतत् विकास के लिये सीखने के स्थान (Learning Places)' हैं।
    - वे संघर्ष की रोकथाम एवं जैवविविधता के प्रबंधन सहित सामाजिक और पारिस्थितिक प्रणालियों के बीच परिवर्तनों तथा अंतःक्रियाओं को समझने व उन्हें प्रबंधित करने के लिये अंतःविषय दृष्टिकोण का परीक्षण करने के लिये महत्त्वपूर्ण स्थल हैं।
    - वे ऐसे स्थल हैं जो वैश्विक चुनौतियों का स्थानीय समाधान प्रदान करते हैं। बायोस्फीयर रिज़र्व में स्थलीय, समुद्री एवं तटीय पारिस्थितिकी तंत्र शामिल हैं।
        - प्रत्येक स्थल जैवविविधता के संरक्षण को उसके सतत् उपयोग के साथ सामंजस्य बिठाने वाले समाधानों को बढ़ावा देता है।
- **विशेषताएँ:**
    - बायोस्फीयर रिज़र्व में **तीन मुख्य ज़ोन (क्षेत्र)** शामिल हैं:
        - **मुख्य क्षेत्र/कोर एरिया** सख्त प्रावधानों के साथ संरक्षित क्षेत्र है, जहाँ प्राकृतिक प्रक्रियाएँ एवं जैवविविधता संरक्षित हैं।
        - **बफर ज़ोन** मुख्य क्षेत्र से घिरा होता है, जहाँ मानवीय गतिविधियाँ संरक्षण एवं अनुसंधान उद्देश्यों के साथ संगत होती हैं।
        - **संक्रमण क्षेत्र** सबसे बाहरी क्षेत्र है, जहाँ सतत् विकास और मानव कल्याण को बढ़ावा दिया जाता है।

The three zones that characterise a Biosphere Reserve are

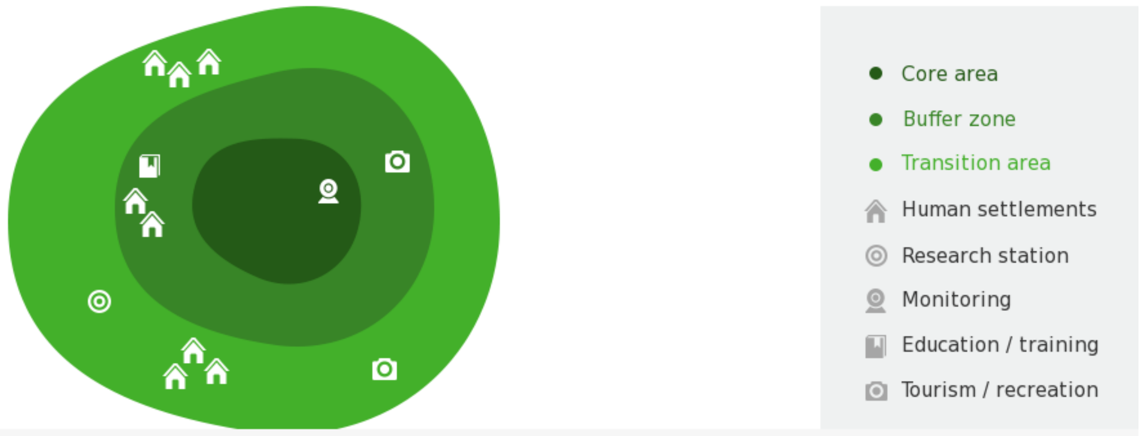

//

- बायोस्फीयर रिज़र्व **राष्ट्रीय सरकारों द्वारा नामांकित** होते हैं और उन राज्यों के संप्रभु क्षेत्राधिकार में रहते हैं जहाँ वे स्थित हैं।
- बायोस्फीयर रिज़र्व्स को **यूनेस्को** द्वारा **मैन एंड द बायोस्फीयर (MAB) कार्यक्रम** के तहत नामित किया गया है जिसे वर्ष 1971 में शुरू किया गया था।
  - MAB कार्यक्रम का उद्देश्य **लोगों और उनके पर्यावरण** के बीच संबंधों में सुधार करना तथा प्राकृतिक एवं सामाजिक विज्ञान के एकीकरण को बढ़ावा देना है।
  - MAB कार्यक्रम सतत् विकास के लिये 2030 एजेंडा और 2020 के बाद के वैश्विक जैवविविधता फ्रेमवर्क के कार्यान्वयन का भी समर्थन करता है।
- बायोस्फीयर रिज़र्व्स **वर्ल्ड नेटवर्क ऑफ बायोस्फीयर रिज़र्व (WNBR)** का हिस्सा हैं, जिसमें वर्तमान में **134 देशों में कुल 748 साइटें शामिल हैं, जिनमें 22 ट्रांसबाउंड्री साइटें शामिल हैं।**
  - WNBR बायोस्फीयर रिज़र्व और उनके हितधारकों के बीच सूचना, ज्ञान एवं सर्वोत्तम पद्धतियों के आदान-प्रदान की सुविधा प्रदान करता है।
  - WNBR जलवायु परिवर्तन, **जैवविविधता हानि, गरीबी** और **महामारी** जैसी वैश्विक चुनौतियों से निपटने के लिये सहयोग एवं नवाचार को भी बढ़ावा देता है।

दृष्टि The Vision

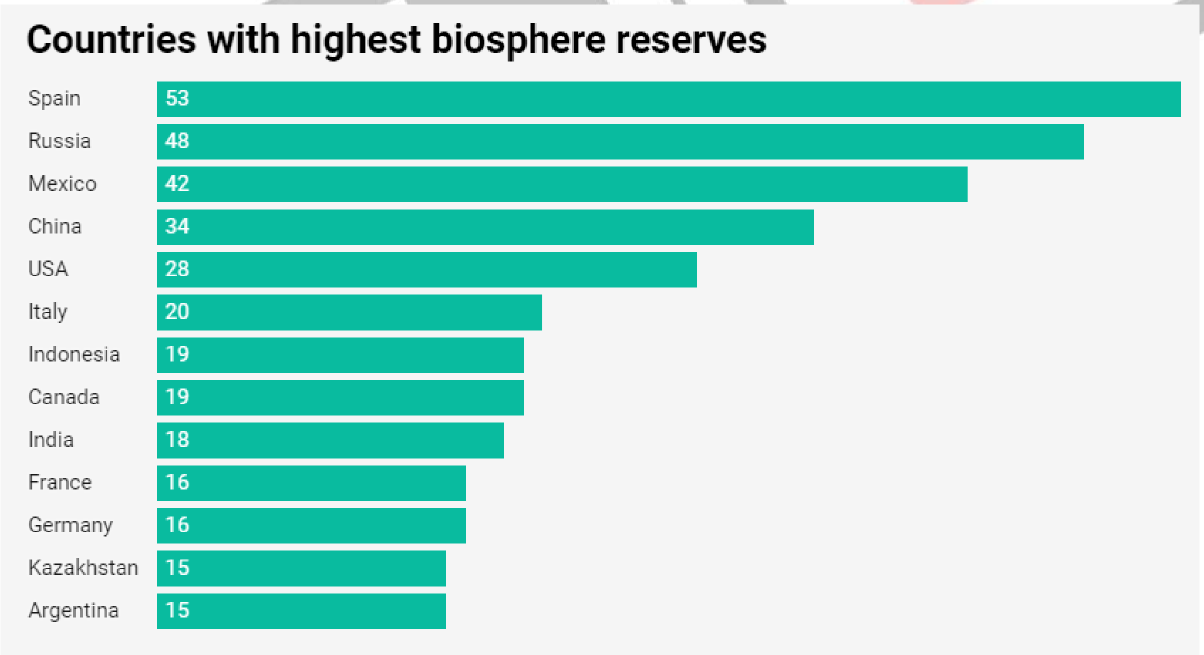

- बायोस्फीयर रिज़र्व **राष्ट्रीय सरकारों** द्वारा नामांकित होते हैं और उन राज्यों के संप्रभु क्षेत्राधिकार में रहते हैं जहाँ वे स्थित हैं।
- बायोस्फीयर रिज़र्व को संयुक्त राष्ट्र की अन्य एजेंसियों द्वारा भी समर्थित किया जाता है, उदाहरण के लिये संयुक्त राष्ट्र विकास कार्यक्रम, संयुक्त राष्ट्र पर्यावरण कार्यक्रम तथा अंतर्राष्ट्रीय प्रकृति संरक्षण संघ।

- **भारत में बायोस्फीयर रिज़र्व:**

भारत में बायोस्फीयर रिज़र्व

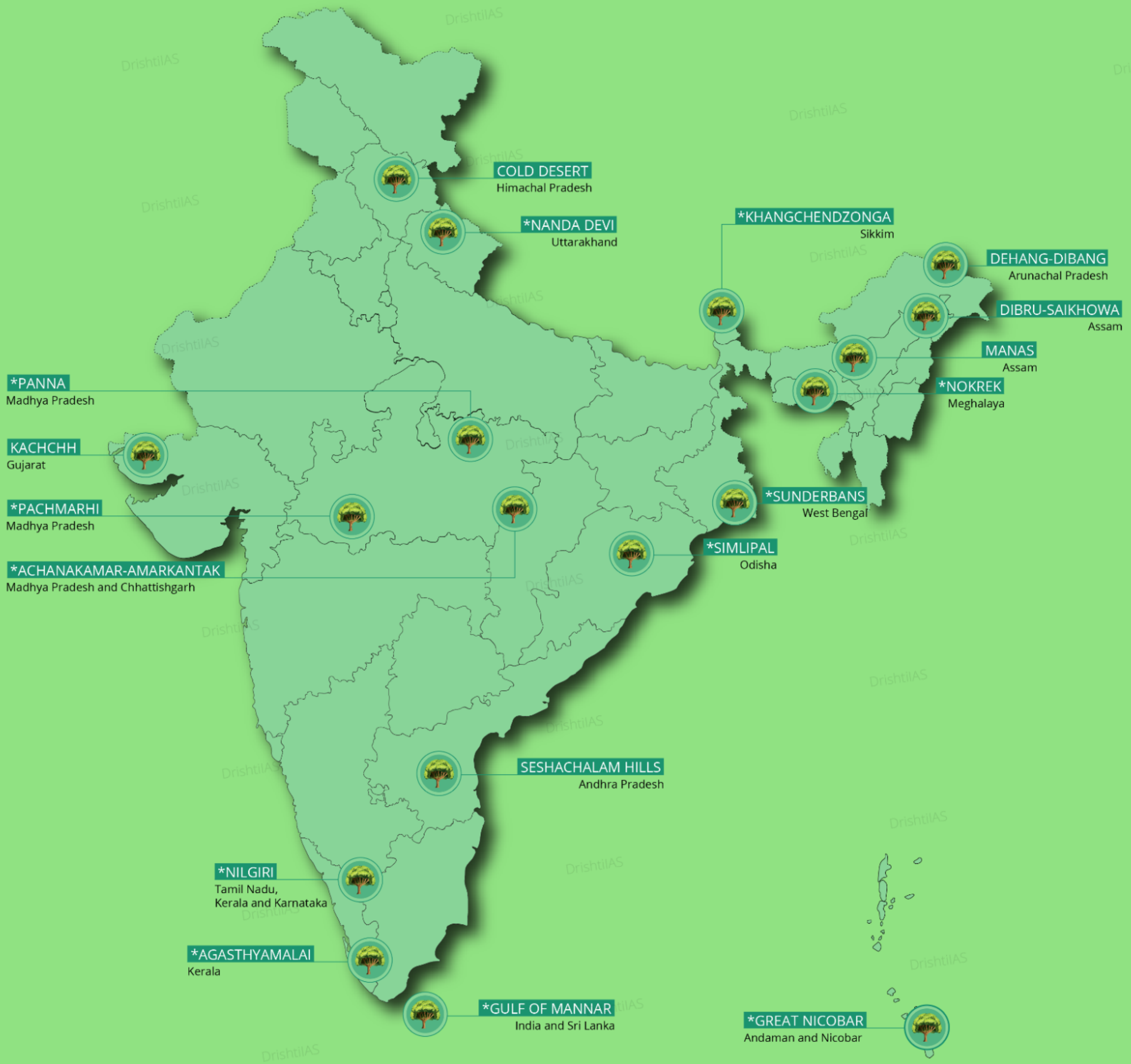

NOTE

- बायोस्फीयर रिज़र्व का विचार यूनेस्को द्वारा "मैन एंड बायोस्फीयर (MAB)" प्रोग्राम के तहत प्रस्तुत किया गया।
- भारत सरकार द्वारा वर्ष 1986 से बायोस्फीयर रिज़र्व नामक योजना क्रियान्वित की जा रही है।
- भारत में 18 बायोस्फीयर रिज़र्व हैं जिनमें से 12 को MAB कार्यक्रम में शामिल किया गया है। पन्ना (मध्य प्रदेश) को वर्ष 2020 में MAB में शामिल किया गया था।
- मुरा-द्रवा-डेन्यूब (MDD) विश्व का प्रथम "पाँच देशों का बायोस्फीयर रिज़र्व" (ऑस्ट्रिया, स्लोवेनिया, क्रोएशिया, हंगरी तथा सर्बिया) है।

*वर्ल्ड नेटवर्क ऑफ बायोस्फीयर रिज़र्व (MAB-UNESCO)

Drishti IAS

बायोस्फीयर रिज़र्व का महत्त्व:

- बायोस्फीयर रिज़र्व **कार्बन सिंक (carbon sinks)** के रूप में महत्त्वपूर्ण भूमिका निभाते हैं, वायुमंडल से **कार्बन डाइऑक्साइड** को अवशोषित करते हैं और जलवायु परिवर्तन शमन में योगदान करते हैं।
  - **जलवायु संकट के सामने आशा की किरण** के रूप में कार्य करते हुए, यूनेस्को बायोस्फीयर रिज़र्व छिपे हुए नखलिस्तान (किसी झरने या जल-स्रोत के आसपास स्थित एक ऐसा क्षेत्र जहाँ किसी वनस्पति के उगने के लिये पर्याप्त अनुकूल परिस्थितियाँ उपलब्ध होती हैं) हैं, जो जैवविविधता की रक्षा करते हैं, प्रदूषण को कम करते हैं और जलवायु लचीलेपन को बढ़ाते हैं।
- बायोस्फीयर रिज़र्व **उष्णकटिबंधीय वर्षावनों, अल्पाइन रेगिस्तानों और तटीय क्षेत्रों** सहित विभिन्न प्रकार के पारिस्थितिक तंत्रों के लिये अभयारण्य के रूप में कार्य करते हैं, जो अनगिनत अद्वितीय और लुप्तप्राय पौधों एवं जानवरों की प्रजातियों के लिये आवास प्रदान करते हैं।
  - बायोस्फीयर रिज़र्व **250 मिलियन से अधिक लोगों** का घर है, जो अपनी आजीविका के लिये पारिस्थितिकी तंत्र सेवाओं और प्राकृतिक संसाधनों पर निर्भर हैं।
- वे **पर्यावरण-पर्यटन** और अन्य पर्यावरण-अनुकूल गतिविधियों के अवसर प्रदान करके सतत् आर्थिक विकास को बढ़ावा देते हैं, जिससे स्थानीय समुदायों को लाभ होता है।
- बायोस्फीयर रिज़र्व यह भी प्रदर्शित करता है कि निर्णय लेने और प्रबंधन प्रक्रियाओं में **स्थानीय समुदायों**, स्वदेशी लोगों, महिलाओं, युवाओं एवं अन्य हितधारकों को कैसे शामिल किया जाए।

बायोस्फीयर रिज़र्व के लिये चुनौतियाँ:

- तेज़ी से हो रहे **निर्वनीकरण** से बायोस्फीयर रिज़र्व के भीतर पारिस्थितिक तंत्र की अखंडता को खतरा है।
  - लकड़ी और वन्य जीवन जैसे प्राकृतिक संसाधनों का अत्यधिक दोहन, भंडार के पारिस्थितिक संसाधनों को समाप्त कर सकता है।
- मानवीय गतिविधियों और शहरी विस्तार के कारण **आवास की हानि** विभिन्न पौधों एवं जीव-जंतुओं की प्रजातियों को खतरे में डालती है।
- **आक्रामक प्रजातियों** का प्रवेश **मूल पारिस्थितिक तंत्र के संतुलन को बाधित** करता है, जिससे जैवविविधता प्रभावित होती है।
  - आक्रामक प्रजातियों को नियंत्रित करना और प्रबंधित करना एक सतत् चुनौती है।
- **जलवायु परिवर्तन** एक गंभीर खतरा उत्पन्न करता है, जो जीवमंडल भंडार के भीतर पारिस्थितिक तंत्र की स्थिरता और लचीलेपन को प्रभावित करता है।
  - बदलते मौसम के पैटर्न, बढ़ते तापमान एवं चरम घटनाओं से पारिस्थितिकी तंत्र में गड़बड़ी हो सकती है।
- **कृषि, खनन और बुनियादी ढाँचे के विकास जैसे भूमि उपयोग** में परिवर्तन, भंडार के प्राकृतिक परिदृश्य को प्रभावित करते हैं।
- **कृषि अपवाह, औद्योगिक गतिविधियों और अपशिष्ट निपटान** से होने वाला प्रदूषण बायोस्फीयर रिज़र्व के भीतर पर्यावरण को नुकसान पहुँचा सकता है।
  - जल की गुणवत्ता बनाए रखना और प्रदूषण को कम करना पारिस्थितिकी तंत्र के स्वास्थ्य के लिये महत्त्वपूर्ण है।
- कई बायोस्फीयर रिज़र्व में संरक्षण एवं प्रबंधन प्रयासों के लिये **पर्याप्त संसाधनों और धन की कमी** है।

आगे की राह

- **स्थानीय पहलों का सुदृढ़ीकरण:**
  - इन महत्त्वपूर्ण पारिस्थितिक तंत्रों के प्रबंधन और सुरक्षा में सक्रिय भूमिका निभाने के लिये स्थानीय समुदायों को प्रोत्साहित करना एवं उनका समर्थन करना आगे बढ़ने का एक महत्त्वपूर्ण तरीका है।
  - स्थानीय समुदाय-संचालित संरक्षण प्रयासों की सफलताओं, जैसे कि **सुंदरबन बायोस्फीयर रिज़र्व** और **मन्नार बायोस्फीयर रिज़र्व** की खाड़ी को उजागर किया जाना चाहिये।
    - भारत में सुंदरबन बायोस्फीयर रिज़र्व में **स्थानीय समुदाय मैंग्रोव वनों के प्रबंधन और क्षेत्र की जैवविविधता की रक्षा के लिये** मिलकर कार्य कर रहे हैं।
    - भारत में **मन्नार बायोस्फीयर रिज़र्व की खाड़ी** में महिलाओं सहित स्थानीय समुदाय स्वयं सहायता समूह बनाकर संरक्षण प्रयासों में योगदान दे रहे हैं, जबकि युवा पर्यावरण-पर्यटन में संलग्न हो रहे हैं।
      - मन्नार बायोस्फीयर रिज़र्व की खाड़ी में शुरू की गई '**प्लास्टिक चेकपॉइंट्स**' की अवधारणा अन्य बायोस्फीयर रिज़र्व के लिये प्लास्टिक कचरे को निपटाने के हेतु एक मॉडल के रूप में कार्य कर सकती है।
- **सतत् प्रथाओं को सशक्त बनाना:**
  - पर्यावरण-अनुकूल पर्यटन और सामुदायिक भागीदारी पर ज़ोर देते हुए बायोस्फीयर रिज़र्व के अंतर्गत सतत् प्रथाओं को बढ़ावा देना चाहिये।
  - पारिस्थितिक फुटप्रिंट को कम करने के लिये सतत् कृषि, उत्तरदायी संसाधन प्रबंधन और अपशिष्ट कटौती उपायों को प्रोत्साहित करने की आवश्यकता है।
- **जलवायु लचीलापन एवं अनुकूलन:**
  - जलवायु परिवर्तन के प्रभावों से निपटने के उपायों सहित **बायोस्फीयर रिज़र्व के अंतर्गत जलवायु-लचीली रणनीतियाँ** स्थापित करने की आवश्यकता है।
  - पारिस्थितिक तंत्र की सुरक्षा और मौसम पैटर्न में बदलाव के प्रति संवेदनशीलता को कम करने के लिये अनुकूलन योजनाएँ विकसित की जानी चाहिये।
- **संसाधन आवंटन और वित्त पोषण:**

- बायोस्फीयर रज़िर्व के लयि अधकि **वत्ति पोषण और तकनीकी सहायता** का समर्थन करना, जसिसे वे अपने संरक्षण एवं प्रबंधन लक्ष्यों को पूरा करने में सक्षम हो सकें।
    - संसाधनों और संबद्ध वशिषज्ञता के संरक्षण के लयि अंतर्राष्ट्रीय संगठनों, सरकारी नकियों तथा गैर-लाभकारी संस्थाओं के साथ सहयोग की आवश्यकता है।

UPSC सविलि सेवा परीक्षा, वगित वर्ष के प्रश्न

?????????:

प्रश्न.1 नम्निलखिति युग्मों पर वचिार कीजयि: (2013)

1. नोकरेक बायोस्फीयर रज़िर्व: गारो पहाड़ियाँ
2. लोगटक (लोकटक) झील: बरैल रेंज
3. नामदाफा राष्ट्रीय उद्यान: डफला पहाड़ियाँ

उपर्युक्त युग्मों में से कौन-सा/से सही सुमेलति है/हैं?

(a) केवल 1
(b) केवल 2 और 3
(c) 1, 2 और 3
(d) कोई भी नहीं

उत्तर: (a)

प्रश्न 2. जैववविधिता के साथ-साथ मनुष्य के परंपरागत जीवन के संरक्षण के लयि सबसे महत्त्वपूर्ण रणनीत निम्निलखिति में से कसि एक की स्थापना करने में नहिति है? (2014)

(a) जीवमंडल नचिय (रज़िर्व)
(b) वानस्पतकि उद्यान
(c) राष्ट्रीय उपवन
(d) वन्यजीव अभयारण्य

उत्तर: (a)

प्रश्न 3. भारत के सभी बायोस्फीयर रज़िर्व में से चार को यूनेस्को द्वारा वर्ल्ड नेटवर्क के रूप में मान्यता दी गई है। नम्निलखिति में से कौन-सा उनमें से एक नहीं है? (2008)

(a) मन्नार की खाड़ी
(b) कंचनजंगा
(c) नंदा देवी
(d) सुंदरबन

उत्तर: (b)

PDF Refernece URL: https://www.drishtiias.com/hindi/printpdf/international-biosphere-reserve-day-2023